मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 17 जनवरी 2020

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	18/01/20	19/01/20	20/01/20	21/01/20	22/01/20
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	21	22	22	23	24
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	8	8	9	10	10
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	4	4	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	49	38	39	45	52
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	23	19	20	19	27
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	8	12	11	12	19
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
जीरा		जीरा की फसल में माहू कीट के आक्रमण से काफी नुकसान होता है। नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या ऐसीफेट 75 एस.पी. 750 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
जौ		जौ की फसल में दीमक की रोकथाम के लिए क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. चार लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ दें।
सरसों		सरसों की फसल में माहू कीट के नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ईसी. सवा लीटर या डाइमिथेएट 30 ईसी. 875 मिली लीटर का प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
लहसुन		लहसुन की फसल में तुलासिता रोग (डाउनी मिल्ड्यू) का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु फसल पर जाईनेब या मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
ईसबगोल		ईसबगोल की फसल को पत्ती धब्बा रोग से बचाने के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी मे घोल बनाकर छिड़काव करें।
टमाटर		टमाटर की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए नर्सरी तैयार करें। पूसा–120, अर्का विकास, सोनाली, पूसा हाइब्रिड–1 व पंत बहार उन्नत किस्मों की बुवाई करें। बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें। 400–500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए उपयुक्त है।

(नौडल ऑफीसर)